पत्र सूचनाशाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

कुलाधिपति ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नवनिर्मित अतिथि–गृह 'तथागत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र' का ऑनलाइन उद्घाटन किया

विश्वविद्यालय पर्यटन की दृष्टि से ऐतिहासिक स्थलों के चिह्नीकरण करें

सिद्धार्थनगर के कण–कण में भगवान बुद्ध की पावन स्मृति–

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 17 जून, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नवनिर्मित अतिथि–गृह 'तथागत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र' का आज राजभवन लखनऊ से ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस अतिथि गृह में एक कुलाधिपति कक्ष, एक अति विशिष्ट कक्ष, दो विशिष्ट अतिथि कक्ष तथा अट्ठारह अतिथि कक्ष बने हैं। इसके अलावा स्टाफ के लिये एक डोरमेट्री का निर्माण हुआ है। पचहत्तर लोगों के एक साथ बैठकर खाने की व्यवस्था वाले डाइनिंग हाल तथा किचन आदि को भी इसमें बनाया गया है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि सिद्धार्थनगर के कण–कण में भगवान बुद्ध की पावन स्मृति समायी हुई है। उनका दिव्य अहसास यहां चारों ओर फैला हुआ है निश्चित रूप से तथागत के नाम से जुड़ जाने से इस अतिथि गृह की भी महिमा बढ़ेगी। इससे इसके स्वरूप की भव्यता के साथ नाम में दिव्यता का भी समावेश हो गया है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देखा जाए तो विश्वविद्यालय में इस कठिन समय में भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए है। पुस्तकालय के अपग्रेडेशन और ऑटोमेशन का कार्य चल रहा है तथा ई–पुस्तकालय विकसित करने की योजना पर भी काम जारी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की सम्भावना बढ़ाने के लिये ऐतिहासिक स्थलों के चिह्नीकरण का कार्य भी विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि आगामी शिक्षण सत्र 2021–22 को ध्यान में रखते हुए आने वाली संभावित चुनौतियों का सामना करने की विस्तृत कार्य योजना विश्वविद्यालय को तैयार कर लेनी चाहिए। छात्रों की सफलता में छात्र–शिक्षक संबंध एवं परस्पर संवाद अत्यंत महत्वपूर्ण कारक होता है। अतः आगामी शैक्षणिक सत्र में मिश्रित शिक्षा पद्धति द्वारा शिक्षण बेहतर विकल्प होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय को ऑनलाइन शिक्षण तकनीक को निरंतर अद्यतन करना चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि छात्रों के मध्य सामाजिक दूरी का पालन हो और कक्षाओं में विद्यार्थियों की ऑनलाइन एवं भौतिक उपस्थिति हो। महामारी से निपटने के लिए यह स्थायी समाधान हो सकता है। आज चुनौती है कि शिक्षा पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को जितना संभव हो उतना कम किया जाये। इस महामारी के कारण कुछ छात्र आर्थिक या पारिवारिक चुनौतियों का सामना कर रहे हो, ऐसा भी हो सकता हैं। ऐसे छात्रों के लिए विश्वविद्यालयों को अधिक संवेदनशील होकर कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। प्रयास होना चाहिए कि आर्थिक संकट के कारण कोई भी छात्र शिक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं हो।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार दुबे, कुलसचिव राकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी ऑनलाउन जुड़े थे।

राम मनोहर त्रिपाठी/राजभवन(243/30)

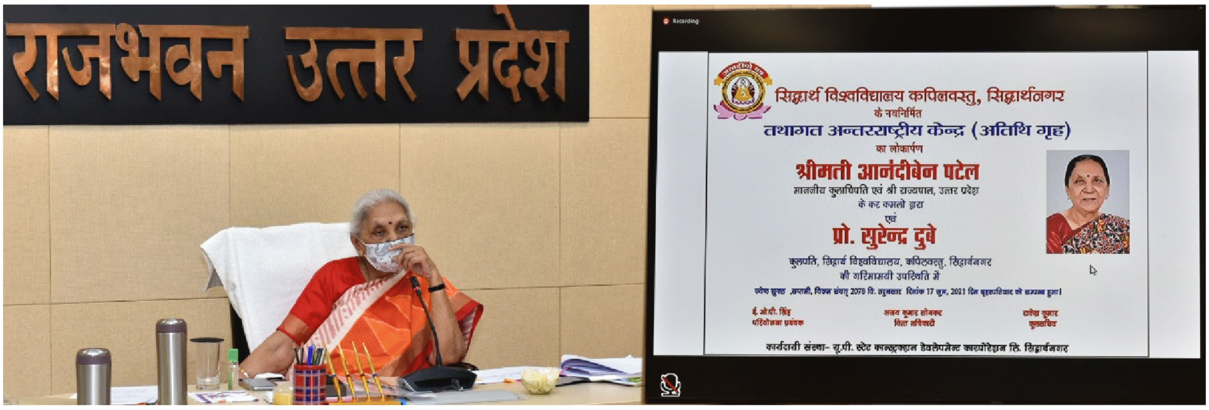
राजभवन उत्तर प्रदेश
Recording
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
के नवनिर्मित
तथागत अन्तरराष्ट्रीय केन्द्र (अतिथि गृह)
का लोकार्पण
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
के कर कमलो द्वारा
एवं
प्रो. सुरेन्द्र दुबे
कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
की गरिमामयी उपस्थिति में
कार्यदायी संस्था- यू.पी. स्टेट कन्स्ट्रक्शन डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन लि. सिद्धार्थनगर

Recording
राजभवन उत्तर प्रदेश
Dr. Renu Tripathi
Governor Uttar Pradesh
Prof Surendra Dubey
Ajay Kumar Sonkar, FO,SUK
Registrar, Siddharth University
Satyam Dixit Admin